प्रकृति की पोटली
घरों में छिपे मित्र

दीवार पर लगा पेंट का एक टुकड़ा चल रहा है क्या? रात में जब मैं सो रही होती हूँ तो रसोई की सफ़ाई कौन कर जाता है? दीवार के कोने में बने एक छोटे-से सफ़ेद तम्बू में कौन रहता है?

क्या तुमने अपने आपसे ऐसे सवाल किए हैं/पूछे हैं?

हमारे घरों, बालकनियों में, बग़ीचे में, दीवारों में काफ़ी जीव विविधता हमारे साथ अमन से रहती है। पिछले साल लॉकडाउन के चलते, इनके साथ वक़्त बिताने का अवसर मिला और क़ुदरत से साथ जुड़ने का नया अन्दाज़ मिला।

लेकिन एक मिनट – 'क़ुदरत' है क्या? कहाँ मिलती है? क्या इसके अजूबे सिर्फ़ दूर-दराज़ किसी जंगल में पाए जाते हैं?

टेबल के नीचे, फ़ोटो फ्रेम के पीछे, लगातार सुनाई देने वाली आवाज़ की खोज में या अनाज की बोरी के अन्दर भी एक पूरा जहान तुमको खोजबीन करने के लिए मिल जाएगा। इन 'छुपे घरेलू' साथियों की जाँच-पड़ताल, अवलोकन करना बहुत मज़ेदार होता है।

हमने तीन बिंगो गतिविधियाँ बनाई हैं जो तुम डाउनलोड या प्रिंट कर सकते हो, या फिर अपनी नोटबुक में भी बना सकते हो। इनसे तुमको आस-

प्रकृति की पोटली : छिपे मित्र-1

अपने घर के अन्दर, खिड़की के बाहर, दरवाजों के पीछे, गमले के नीचे - इस टेबल में ऊपर से नीचे या दाएँ से बाएँ की किसी भी लाइन में तीनों चीज़ ढूँढ़ कर कहिये 'पोटली'!

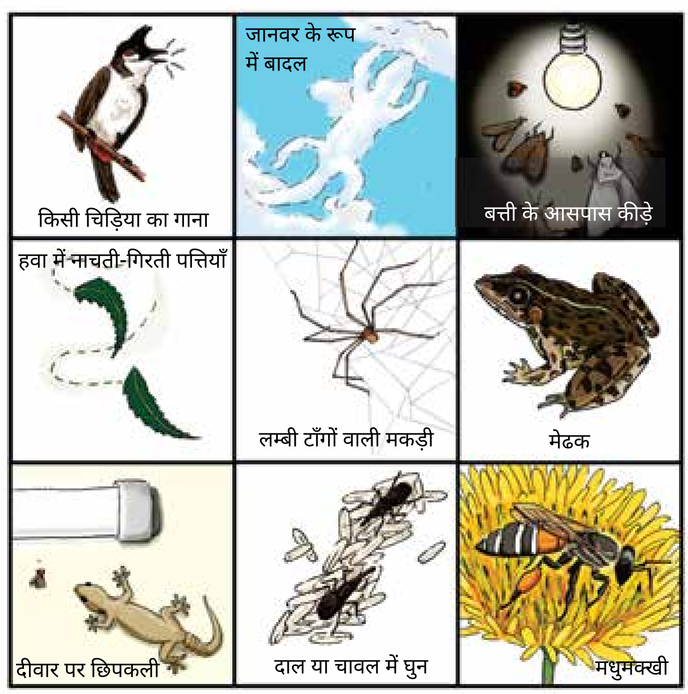

आया है वक़्त अपनी होशियारी आज़माने का !
कीड़े बत्तियों या प्रकाश स्रोतों के आसपास क्यों इकट्ठा होते हैं ? आपको कितने प्रकार के कीड़े दिखे? क्या कोई अन्य जानवर भी दिखे आपको? एक दोस्त (एक कीट /जानवर) चुनें, उन्हें नाम दें और अगले कुछ दिनों में उनको ध्यान से देखें। क्या वे लौटते हैं? क्या आप उनके बारे में एक कविता/कहानी/गीत लिख सकते हैं? अपनी कल्पना का प्रयोग करें और चित्र भी बनाएँ!

Nature Classrooms
nature conservation foundation
इस कार्य का लाइसेंस है CC BY-SA 4.0
https://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/

पड़ोस में रहने वाले जीव-जन्तुओं की जानकारी मिलेगी। ये गतिविधि शीट्स यहाँ भी उपलब्ध हैं: https://www.ncf-india.org/blog/hidden-house-mates-part-1. हर बिंगो शीट में 9 छुपे घरेलू साथियों से तुम्हारा परिचय होगा। ये शीट्स एक मार्गदर्शक की तरह तुम्हें अपने आसपास इन जीवों को ढूँढ़ ने में मदद करेंगी।

इन्हें ढूँढ़ने पर शायद तुम्हारे मन में और सवाल आएँ : ये कौन हैं, ऐसा क्यों करते हैं। बिंगो शीट्स से तुम इनके बारे में और जान सकते हो। हर उम्र के बच्चों के लिए रिसोर्सेज़ और गतिविधियों की सूची तीनों शीट्स में मिलेगी। हिन्दी के अलावा ये कन्नड़ और अँग्रेज़ी में भी उपलब्ध हैं।

तो खिड़की के बाहर, गमले के नीचे या पड़ोस में रहने वाले छुपे घरेलू साथियों से मुलाक़ात करने के लिए तैयार हो जाओ!

प्रकृति की पोटली : छिपे मित्र-3

अपने घर के अन्दर, खिड़की के बाहर, दरवाजों के पीछे, गमले के नीचे - इस टेबल में ऊपर से नीचे या दाएँ से बाएँ की किसी भी लाइन में तीनों चीज़ ढूँढ़ कर कहिये 'पोटली'!

आया है वक़्त अपनी होशियारी आज़माने का !

लता और अन्य पौधों में क्या फ़र्क़ है? वे चढ़ने का कार्य कौनसे अंगों की मदद से करते हैं? पौधों को कैसे मालूम होता है कि कहाँ चढ़ना या किस दिशा में उगना? अगर आप लता होते तो आप ऐसे निर्णय किस आधार पर लेते? छोटे बच्चों को लताओं के चढ़ने की क्रिया के बारे में सिखाने के लिए एक स्टेप-बाय-स्टेप गाइड बनाएँ और उसे चित्रित कीजिए।

Nature Classrooms
nature conservation foundation
इस कार्य का लाइसेंस है CC BY-SA 4.0
https://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/

प्रकृति की पोटली : छिपे मित्र-2

अपने घर के अन्दर, खिड़की के बाहर, दरवाजों के पीछे, गमले के नीचे - इस टेबल में ऊपर से नीचे या दाएँ से बाएँ की किसी भी लाइन में तीनों चीज़ ढूँढ़ कर कहिये 'पोटली'!

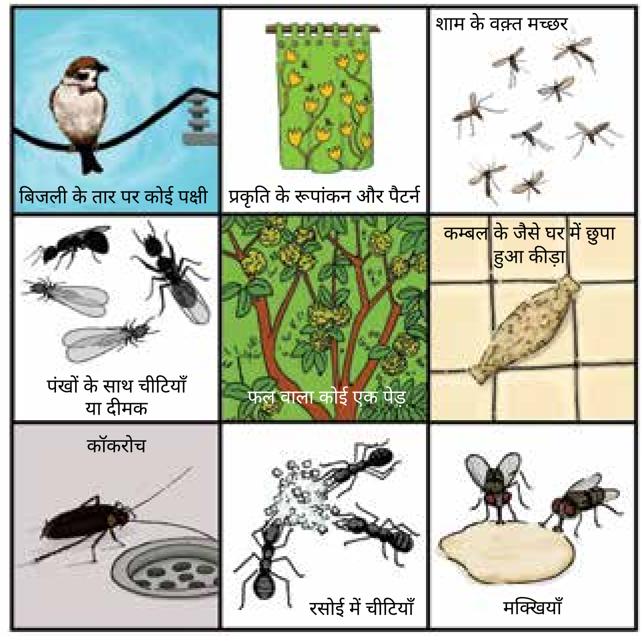

आया है वक़्त अपनी होशियारी आज़माने का !

ध्यान से सुनें - क्या आपको मच्छरों की आवाज़ सुनाई दे रही है ? इस आवाज़ की नक़ल करने की कोशिश करें। पता लगाएँ - मच्छर इस आवाज़ में शरीर के किस भाग का इस्तेमाल करते हैं? क्या सभी मच्छरों की आवाज़ एक जैसी होती है? मच्छरों का गाना आपको कैसा लगता है, इसकी एक तस्वीर तयार करें।

Nature Classrooms
nature conservation foundation
इस कार्य का लाइसेंस है CC BY-SA 4.0
https://creativecommons.org/licenses/by-sa/4.0/

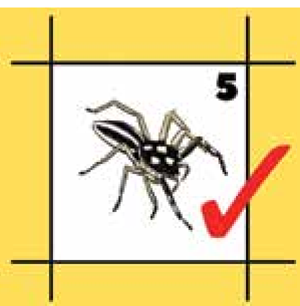

5.

कल्पना करो कि तुम्हारी 8 आँखें और 8 पैर होते, जैसे कि मकड़ी के होते हैं। तो तुम्हारे जीवन में क्या बदलाव आता? तुम्हारे कपड़े कैसे होते? एक चित्र या कार्टून बनाओ।

नेचर क्लासरूम्स स्कूल और शिक्षकों के द्वारा शिक्षा को प्रकृति के साथ जोड़ने का काम करता है। वेना कपूर, रोशनी रवि और लबोनी राय इसका हिस्सा हैं। वे प्रकृति पर प्रासंगिक और सुदृढ़ लर्निंग रिसोर्सेज़ तैयार करते हैं। ये रिसोर्सेज़ प्रायमरी स्कूल के पर्यावरण पाठ्यक्रम से ताल-मेल रखते हैं। नेचर क्लासरूम्स शिक्षकों की क्षमता वर्धन पर भी काम करता है। **अनुवाद :** भाविनी पन्त